RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 08 अंक-50 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 13 दिसम्बर से 19 दिसम्बर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -2

हिमाचल में महिलाएं जागरूक, पर इस बार एक ही विधायक बनी

राजनीतिक दल महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने की बातें भले ही बढ़-चढ़कर करते हों लेकिन संसद एवं विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व निराशाजनक तस्वीर पेश करता है।

वास्तविकता यह है कि 19 राज्यों की विधानसभाओं में महिला विधायकों का प्रतिनिधित्व 10 फीसद से भी कम है। पूरे देश में विधानसभाओं में महिला विधायकों का औसत केवल आठ फीसद है। इस बार हिमाचल में एक ही महिला विधायक बनी हैं जबकि गुजरात में 8.2 फीसद महिला विधायक चुनी गई हैं।

कांग्रेस ने 12 नवंबर को हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। इसने तीन महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, जिनमें सभी हार गईं। इस तरह सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुआई वाली सरकार में किसी महिला के मंत्री बनने को लेकर संशय है। हिमाचल प्रदेश में हर बार विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं का मतदान फीसद पुरुषों की तुलना में अधिक रहा है। इस बार 76.8 फीसद महिलाओं ने मतदान किया जबकि पुरुष मतदाताओं का फीसद 72.4 रहा।

हिमाचल में 2017 में चार महिलाएं विधानसभा में पहुंची थीं। 12 नवंबर को हुए चुनाव में हारने वालों में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री और कांगड़ा के शाहपुर से चार बार विधायक रहीं सरवीन चौधरी, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और डलहौजी से छह बार की विधायक आशा कुमारी (जो मुख्यमंत्री पद की दावेदार थीं), इंदौरा से भाजपा विधायक रीता धीमान, मंडी से कांग्रेस के दिग्गज नेता कौल सिंह की बेटी चंपा ठाकुर शामिल हैं।

कांगड़ा के जयसिंहपुर (अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित), हमीरपुर के भोरंज (अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित) और शिमला जिले के जुब्बल-कोटखाई के तीन निर्वाचन क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। 68 निर्वाचन क्षेत्रों में से 19 में पुरुष और महिला मतदाताओं के बीच का अंतर 1,000 से कम है और 42 निर्वाचन क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिला मतदान का फीसद अधिक था।

लोकसभा में नौ दिसंबर 2022 को विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार आंध्र प्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओड़ीशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, पुदुचेरी, मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश की विधानसभाओं में महिला विधायकों की संख्या 10 फीसद से कम है। आंकड़ों के अनुसार, जिन राज्यों की विधानसभाओं में महिला विधायकों की संख्या 10

फीसद से अधिक है, उनमें बिहार (10.70), छत्तीसगढ़ (14.44), हरियाणा (10), झारखंड (12.35) पंजाब (11.11), राजस्थान (12), उत्तराखंड (11.43), उत्तर प्रदेश (11.66), पश्चिम बंगाल (13.70), दिल्ली (11.43) शामिल हैं।

मोरबी ब्रिज हादसे के प्रभावितों को 10-10 लाख रुपए की अतिरिक्त मदद देगी गुजरात सरकार

गुजरात सरकार ने मोरबी ब्रिज हादसे के प्रभावित परिवारों को 10-10 लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा की है। मालूम हो कि मोरबी ब्रिज हादसे में 143 लोगों की मौत हो गई थी।

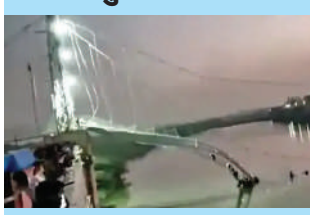

अरुणाचल के तवांग में भारत और चीनी सेना में भिड़ंत, कई सैनिक हुए जख्मी- रिपोर्ट में दावा

अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारत चीन के सैनिकों में झड़प होने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ के कई सैनिक जख्मी हैं। एक टीवी रिपोर्ट के मुताबिक झड़प 9 दिसंबर को हुई थी। दोनों देशों की सेना के बीच तल्खी पैदा होने का ये पहल मामला नहीं है। इससे पहले गलवान में दोनों देशों के सैनिकों के बीच खूनी संघर्ष हो चुका है।

बता दें कि ताजा झड़प के बाद शांति बहाली के लिए दोनों की सेना के बीच कमांडर स्तर की मीटिंग हुई थी और दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे थे। मालूम हो कि यह झड़प तवांग जिले के यंगस्टे में हुई है। खबरों के अनुसार चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी एलएसी तक पहुंची थी, जिसका भारतीय सेना ने मजबूती के साथ विरोध किया।

जम्मू- कश्मीर में हर परिवार को मिलेगा विशिष्ट पहचान पत्र

जम्मू- कश्मीर प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में सभी परिवारों का एक प्रामाणिक 'डेटाबेस' बनाने की योजना बना रहा है।

इसमें शामिल किए गए प्रत्येक परिवार का एक अनूठा 'कोड' होगा और इस कदम का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक योजनाओं के पात्र लाभार्थियों के चयन को आसान बनाना है।'पारिवारिक पहचान पत्र' आबंटित करने के प्रस्तावित कदम का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वागत किया है, लेकिन अन्य दलों ने निजी जानकारी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

दृष्टिपत्र के अनुसार, 'प्रत्येक परिवार को एक अनूठा कोड प्रदान किया जाएगा, जिसे 'जेके फैमिली आइडी' कहा जाएगा। कोड में अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर और अंक संख्या होगी। परिवार डेटाबेस में उपलब्ध जानकारी का उपयोग सामाजिक लाभों के लिए लाभार्थियों का चयन स्वचालित चयन करने में किया जाएगा।' दस्तावेज में कहा गया है कि जोखिम को विफल करने और संवेदनशील और महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा करने के लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने सूचना सुरक्षा नीति पर काम करने की योजना बनाई है और उपयुक्त साइबर सुरक्षा ढांचे के निर्माण की भी परिकल्पना की है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की आयुक्त सचिव प्रेरणा पुरी ने कहा कि डेटाबेस बनाने का उद्देश्य यह है कि परिवारों या व्यक्तियों प्रत्येक वैयक्तिक योजना के तहत लाभ हासिल करने के लिए आवेदन करना होगा। उन्होंने कहा कि डेटाबेस, हरियाणा के 'परिवार पहचान पत्र' के अनुरूप होगा, जिसमें परिवारों या व्यक्तियों को प्रत्येक व्यक्तिगत योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन नहीं करना पड़ता है।

कोटा में 3 कोचिंग स्टूडेंट्स ने किया सुसाइड

राजस्थान के कोटा में 3 कोचिंग स्टूडेंट्स ने सुसाइड कर लिया। इसमें दो स्टूडेंट एक ही हॉस्टल में रहते थे। दोनों 7 महीने से हॉस्टल में रह रहे थे। अभी इस बात का पता नहीं चल सका है कि दोनों दोस्त थे या नहीं।

मामला तलवंडी और कुन्हाड़ी इलाके का है। बिहार के सुपौल के अंकुश यादव और गया के उज्जवल तलवंडी इलाके में रहकर कोचिंग कर रहे थे। दोनों 17 साल के थे। अंकुश नीट और उज्जवल आईआईटी की तैयारी कर रहा था। दोनों राधा कृष्ण मंदिर के पास एक ही हॉस्टल में रहते थे।

दोस्त ने फोन किया, नहीं उठाया तो हॉस्टल में आए

अंकुश का दोस्त प्रिंस उसी इलाके में हॉस्टल में रहता है। सुबह साथ में खाना खाने जाते थे। प्रिंस ने बताया कि सुबह 11 बजे अंकुश को कई बार फोन किया था। उसने नहीं उठाया। दोस्त को लेकर अंकुश के हॉस्टल पहुंचे। अंदर से लॉक लगा हुआ था। खिड़की से देखा तो वह फंदे पर लटका मिला।

पास के रूम में रहने वाले स्टूडेंट को बताया। फिर हॉस्टल संचालक को सूचना दी। अंकुश ने कमरा अंदर से बंद कर रखा था। हॉस्टल संचालक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। लॉक तोड़कर देखा तो अंकुश पंखे पर लटका हुआ था। पुलिस ने शव को नीचे उतारा ।

सम्पादकीय

सत्ता और चुनौतियां

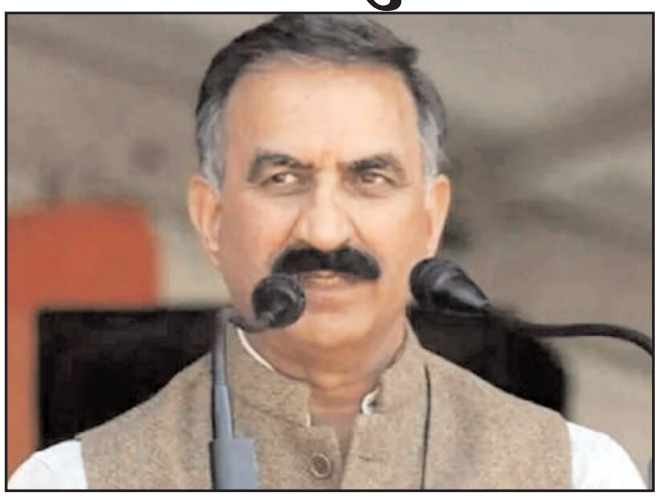

हिमाचल प्रदेश में आखिरकार मुख्यमंत्री पद को लेकर मचा घमासान थम गया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी गई।

वहां चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद जिस तरह से मुख्यमंत्री पद के लिए जोर आजमाइश शुरू हो गई थी, उससे लगा था कि पार्टी में दरार आ सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे थे। धमकियां भी दी जाने लगी थीं कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, तो उनके समर्थक विधायक पार्टी छोड़ने का फैसला कर सकते हैं।

मगर इसमें कई तकनीकी, व्यावहारिक और रणनीतिक दिक्कतें थीं। पहली बात तो यह कि वे विधायक नहीं हैं, मंडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का मतलब था कि एक संसदीय सीट और एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने पड़ते। फिर सरकार चलाने के लिए केवल विरासत काम नहीं आती, उसके लिए नेतृत्व का गुण और सबको साथ लेकर चलने का कौशल भी होना चाहिए। दूसरी दावेदारी वहां के वरिष्ठ नेता मुकेश अग्निहोत्री की भी चल रही थी। मगर पार्टी आलाकमान ने बहुत सलीके से इस पेचीदगी को सुलझाया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप कर संतुलन साधने का प्रयास किया।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की दावेदारी अच्छी बात है। मगर आजकल जिस तरह भारतीय राजनीति का मिजाज बदलता गया है, उसमें इस तरह राजनेताओं की जोर आजमाइश को पार्टी में अनुशासन की कमी माना जाने लगा है। इसका फायदा प्रतिद्वंद्वी पार्टियां उठाती देखी जाती हैं। इसलिए हिमाचल में मुख्यमंत्री पद को लेकर चले संघर्ष से स्वाभाविक ही पार्टी में टूट और बिखराव की आशंकाएं पैदा हुईं।

हालांकि वहां लोकतंत्र के लिए एक अच्छी मिसाल यह भी देखी गई कि विधायकों ने खुद हिमाचल से बाहर जाकर नहीं, बल्कि वहीं रह कर मामले को निपटाने पर जोर दिया और केंद्रीय नेतृत्व पर भरोसा जताया। शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं ने साथ मिल कर हिमाचल की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प दोहराया। हालांकि वहां के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री में राजनीतिक तालमेल का अभाव और वर्चस्व की लड़ाई कभी देखी नहीं गई, जिसके आधार पर आने वाले दिनों में किसी तरह की आशंका जताई जा सके। उपमुख्यमंत्री पद वीरभद्र सिंह के करीबी रहे मुकेश अग्निहोत्री को देकर एक तरह प्रतिभा सिंह को भी संतुष्ट किया गया है। मगर राजनीति में चुनौतियां कभी खत्म नहीं होतीं।

हिमाचल की नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी उन वादों को पूरा करना, जो चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने किए थे। पुरानी पेंशन योजना लागू करना, फल उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, उनकी उपज की वाजिब कीमत दिलाना और नई नौकरियां देना बड़ी चुनौती हैं। जिन राज्यों का मिजाज बारी-बारी से सरकार बदलने का होता है, वहां सरकारों के सामने बेहतर प्रदर्शन की चुनौतियां हमेशा बनी रहती हैं।

ऐसे में चुनाव के वक्त कांग्रेस ने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा नहीं किया गया, तो विरोध के स्वर फूटने शुरू हो जाएंगे। पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा पूरा करने के लिए सबसे पहले सरकार को आवश्यक धन की व्यवस्था करनी होगी। फिर नए रोजगार का सृजन बड़ी चुनौती है। उसके लिए निवेश को बढ़ावा देना होगा, जो आसान काम नहीं है। हालांकि सुखविंदर सिंह सुक्खू अनुभवी और संतुलित नेता हैं, मगर उनकी असली कसौटी इन वादों पर खरा उतरने की है।

संपादक
गोपाल गावंडे

जहर-घुली आबोहवा में जिंदगी

विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के उन क्षेत्रों की स्थिति अधिक खराब है, जहां जनसंख्या अधिक है तथा प्रदूषण से निपटने के लिए वित्तीय और सरकारी संसाधन सीमित हैं।

शहरों के विकास के साथ-साथ प्रदूषण भी बढ़ता जाता है। गरीब इलाकों में प्रदूषण से होने वाली मौतें बढ़ रही हैं। बढ़ते औद्योगीकरण और आधुनिक जीवन-शैली के चलते पूरी धरती का संतुलन बिगड़ रहा है। प्रदूषण आज पूरी पृथ्वी के लिए एक बड़ी समस्या बन चुका है। दुनिया के तमाम देश प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। मानवीय गतिविधियों और तकनीकी उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण आजकल वायु अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। वायुमंडल में सभी प्रकार की गैसों की मात्रा निश्चित होती है, पर जब किसी कारणवश इनकी मात्रा में परिवर्तन हो जाता है तो वायु प्रदूषण होता है।

महानगरों में कल-कारखानों तथा मोटर वाहनों का धुआं और सर्दियों में पराली जलाने से फैलने वाला धुआं वातावरण को इतना दूषित कर देता है कि सांस लेना तक दूभर हो जाता है। मनुष्य कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। सघन आबादी में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है।आधुनिक विकास के साथ-साथ जल प्रदूषण की समस्या भी अत्यंत गंभीर होती जा रही है।

औद्योगीकरण और शहरीकरण के चलते शहरों में अनेक प्रकार के उद्योग लग रहे हैं। घरों और कल-कारखानों से निकलने वाला दूषित पानी, कचरा और रासायनिक अपशिष्ट नदियों में मिल कर उन्हें प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे अनेक बीमारियां फैल रही हैं। गंदा जल फसलों में जाकर उन्हें भी प्रदूषित कर देता है। इन फसलों से पैदा होने वाला अन्न जब मनुष्य के शरीर में जाता है तो कई तरह की बीमारियों को जन्म देता है।

शुद्ध मिट्टी एक प्राकृतिक संसाधन है, यह प्राणियों और वनस्पतियों के जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, लेकिन मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए किसान अत्यधिक कीटनाशक और खाद का उपयोग करते हैं, जो कि प्राकृतिक नहीं है और उससे मिट्टी की गुणवत्ता पर असर पड़ता और भूमि प्रदूषण बढ़ता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय उद्यान सेवा (एनपीएस) की रिपोर्ट के अनुसार ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी गंभीर रूप से नुकसानदायक है। यह इंसानों को ही नहीं, वन्यजीवों को भी गंभीर नुकसान पहुंचाता है। कई शोधकर्ताओं का मानना है कि अगर ध्वनि प्रदूषण लंबे समय तक बना रहे, तो कई पेड़ों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।

ध्वनि प्रदूषण शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। जब कृत्रिम स्रोतों से वातावरण में प्रकाश की मात्रा इतनी अधिक हो जाती है कि प्रकृति पर इसका नकारात्मक प्रभाव पैदा होने लगता है, तो इसे प्रकाश प्रदूषण कहते हैं। प्रकाश प्रदूषण का केवल मानव जाति पर नहीं, पौधों और जानवरों पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

मुख्य रूप से किसी भी क्षेत्र विशेष की वायु गुणवत्ता और वहां के वायु प्रदूषण को मापने के लिए एक्यूआइ यानी 'एयर क्वालिटी इंडेक्स' का उपयोग किया जाता है। इसके आठ संकेतक होते हैं, जिनमें मुख्य तौर पर पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे संकेतक शामिल होते हैं। इसकी कुछ श्रेणियां होती हैं। मसलन, अगर किसी क्षेत्र की एक्यूआइ 0 से 50 है, तो यह माना जाएगा कि वहां की वायु गुणवत्ता बहुत अच्छी है।

अगर किसी क्षेत्र का एक्यूआइ 51-100 है तो वहां की वायु गुणवत्ता संतोषजनक है। अगर एक्यूआइ 201-300 है, तो वायु गुणवत्ता खराब और 301-400 है, तो बहुत खराब मानी जाएगी और अगर किसी क्षेत्र का एक्यूआइ 401-500 है तो वहां की हवा में प्रदूषण की स्थिति बहुत अधिक गंभीर मानी जाती है। एक नए अध्ययन के अनुसार, हर साल वैश्विक स्तर पर लगभग नब्बे लाख लोगों की मृत्यु का कारण प्रदूषण ही है।

साल 2000 के बाद दूषित वायु से मरने वालों की संख्या लगभग पचपन फीसद तक बढ़ गई है। भारत में हर साल करीब चौबीस लाख और चीन में करीब बाईस लाख लोगों की प्रदूषण के कारण असमय मृत्यु हो जाती है। इस शोध में पाया गया कि दुनिया भर में एक साल में जितनी मौतें सिगरेट पीने और 'पैसिव स्मोकिंग' से होती हैं, लगभग उतनी ही मौतें वायु प्रदूषण के कारण हो जाती हैं।

वायु प्रदूषण के कारण लोग हृदय रोग, लकवा, फेफड़ों के कैंसर, फेफड़ों की दूसरी बीमारियों और डायबिटीज के शिकार हो जाते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एक दशक पहले बताया था कि जीवाश्म ईंधन के जलने से पैदा होने वाले प्रदूषण के छोटे कण हृदय रोग और मृत्यु के लिए जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के उन क्षेत्रों की स्थिति अधिक खराब है, जहां जनसंख्या अधिक है तथा प्रदूषण से निपटने के लिए वित्तीय और सरकारी संसाधन सीमित हैं।

शहरों के विकास के साथ-साथ प्रदूषण भी बढ़ता जाता है। गरीब इलाकों में प्रदूषण से होने वाली मौतें बढ़ रही हैं। वायु प्रदूषण दक्षिण एशिया में असमय होने वाली मौतों का प्रमुख कारण है और इन मौतों में हो रही वृद्धि के आंकड़े इस बात का संकेत देते हैं कि विषाक्त उत्सर्जन बढ़ रहा है। शोध में पाया गया है कि विश्व स्तर पर हर साल जल प्रदूषण करीब चौदह लाख लोगों की मौत का कारण बनता है।

प्रदूषण को कम करने के लिए निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक वाहनों के उपयोग पर बल दिया जाना चाहिए, क्योंकि सड़कों पर जितनी अधिक गाड़ियां चलेंगी, प्रदूषण उतना ही अधिक बढ़ेगा। बिजली बनाने के लिए जीवाश्म ईंधन का उपयोग किया जाता है, जिससे निकलने वाला धुआं वातावरण को दूषित करता है। इससे बचने के लिए घरों में अधिक से अधिक सौर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहनों का अधिक से अधिक उपयोग बढ़ाना होगा। वातानुकूलन यंत्रों का प्रयोग कम से कम किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे निकलने वाली विषैली गैस वातावरण को दूषित करने के साथ-साथ ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाती है।

उद्योगों से निकलने वाले विषैले रासायनिक पदार्थों से न केवल नदियों का जल प्रदूषित होता, बल्कि उनमें रहने वाले जलजीवों को भी नुकसान पहुंचता है। इसलिए उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को बिना उपचार के नदियों में विसर्जित करने से रोकना बेहद जरूरी है। इसके लिए सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए। जले-अधजले शवों, मृत पशुओं, कूड़े-कचरे तथा कार्बनिक पदार्थों के नदियों में विसर्जन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग कम से कम किया जाए, ताकि जल के साथ-साथ भूमि को भी प्रदूषण से बचाया जा सके। हम जितना अधिक प्रकृति से प्रेम करेंगे, उतने ही सुरक्षित रहेंगे।

जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां केवल रात को सक्रिय होती हैं, उनके लिए प्रकाश प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। इसके कारण पशु-पक्षियों की प्रजनन क्रिया में भी बाधा उत्पन्न होती है। पेड़-पौधों पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मनुष्य के डीएनए में विशेष प्रकार की सर्कैडियन लय होती है, जिससे यह तय होता है कि दिन के समय हमें प्रकाश की आवश्यकता है और रात के समय अंधेरे की। प्रकाश प्रदूषण के कारण प्राकृतिक सर्कैडियन लय बाधित होती है, तो हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे कैंसर, हृदय रोग, अवसाद, अनिद्रा आदि रोग पैदा हो सकते हैं।

दरअसल, पृथ्वी का पारिस्थितिकी तंत्र सूर्य के चक्रों पर निर्भर है और मानव निर्मित प्रकाश प्रदूषण पारिस्थितिकी तंत्र पर कुप्रभाव डालता है। इसलिए अनावश्यक रूप से कृत्रिम प्रकाश स्रोतों का अधिक उपयोग करने से बचना चाहिए। प्रकाश स्रोत इस प्रकार लगाए जाने चाहिए कि उनसे निकलने वाला प्रकाश निश्चित स्थानों पर केंद्रित रहे और आसपास के क्षेत्रों में न फैले। इस प्रकार कुछ विशेष उपायों के जरिए हम खुद को और अपने पर्यावरण को प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचा सकते हैं।

वृद्ध को जहर देकर हत्या

फर्जी दस्तावेजों से हड़पी संपत्ति, छह साल बाद कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

इंदौर। एक बुजुर्ग की संपत्ति हड़पने के लिए उसके ही रिश्तेदारों ने उसे सल्फास दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। संदेहास्पद मौत के मामले में वृद्ध के दूसरे रिश्तेदारों ने कोर्ट में केस दायर किया और जब मामले की जांच कराई गई तो हकीकत सामने आने के बाद कोर्ट निर्णय पर हत्या का केस दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि संपत्ति हड़पने के लिए पहले तो फर्जी तरीके से दस्तावेज बनाए गए और बाद में जहर देकर बुजुर्ग को मार दिया।

मामला मल्हारगंज थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार कोर्ट के आदेश पर जितेन्द्र पिता राजकुमार वशिष्ट निवासी 33 ए सेक्टर ए संगम नगर, इंदौर श्रीमती ललिता पति महेन्द्र जैन निवासी 10/4 जैन मंदिर के पास मल्हारगंज, हाल मुकाम 16/4 गली नंबर 04, नार्थ राज मोहल्ला, प्रेम सिंह राठौर पिता चंदन सिंह राठौर निवासी 30/04 नार्थ राज मोहल्ला, मांगीलाल पिता जगन्नाथ मालवीय निवासी प्रजापतपुरा गोपाल मोहल्ला, मनोहर निवासी अन्नपूर्णा नगर इंदौर और एस. बी. आचार्य पता- 82 मिश्र नगर अन्नपूर्णा रोड के खिलाफ हत्या की धारा 302 सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इनमें से एक आरोपी मांगीलाल मालवीय की मृत्यु हो चुकी है।

मामले के अनुसार अक्टूबर 2016 में बसंत कुमार वर्मा पिता टिकेत राय वर्मा (67) निवासी नार्थ राजमोहल्ला की मौत हो गई थी। उस दौरान उन्हें रखने वाले आरोपियों ने बताया था कि बसंत कुमार ने सल्फास खाकर आत्महत्या की है। चूंकि बसंत कुमार अस्वस्थ थे और बिस्तर पर रहते थे। ऐसे में उनके रिश्तेदार जितेंद्र कुमार को उनकी खुदकुशी पर संदेह था। वहीं बाद में पता चला कि बसंत कुमार की पूरी संपत्ति भी आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़प ली है। इस पर कोर्ट की शरण लेते हुए परिवाद दायर किया गया। करीब छह साल तक चले केस में जांच के दौरान पता चला कि बसंत कुमार को आरोपियों द्वारा सल्फास नामक जहरीला पदार्थ देकर उनकी हत्या की

गयी है एवं उनकी अस्वस्थ अवस्था का दूषित लाभ उठाते हुए आपराधिक षडयंत्र के वशीभूत होकर संपत्ति को हडप कर जाने की दूर्भावना से फर्जी, जाली, बोगस एवं कूटरचित दस्तावेजो का निर्माण किया गया है । कोर्ट के आदेश के बाद हत्या का केस दर्ज किया गया। अब पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

दोस्ती तोड़ी तो छेड़छाड़ कर धमकाया

इंदौर। एक युवती ने युवक से दोस्ती तोड़ दी तो युवक उसके घर में घुस आया और छेड़छाड़ करते हुए धमकाया। मामले में राऊ पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित यूपी के परिजनों ने पुलिस को बताया आरोपी इकबाल के साथ युवती नौकरी करती थी, इसी दौरान उनमें आपस में दोस्ती हो गई। दोस्ती का फायदा उठाकर, जब पीड़िता घर में अकेली थी, आरोपी घर में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ कर कहा उसने दोस्ती क्यों तोड़ दी। युवती ने कहा वह उससे बातचीत नहीं करना चाहती इस पर इकबाल ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

करंट लगने से मौत

इंदौर। मशीन पर कराने के चलते एक युवककरंट लगने से हुई दुघर्टना में मौत का शिकार हो गया। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। लसूडिया पुलिस के मुताबिक घटना मार्च माह की है। एसएस इंफिनिटी कॉलोनी सिलवेनिया एस 94 की फैक्ट्री पर काम कर रहे रवि चौहान और अन्य वर्कर द्वारा फैक्ट्री मालिक प्रवीण गर्ग को बताया गया था कि मशीनों में सुधार की आवश्यकता है, लेकिन फैक्ट्री मालिक प्रवीण गर्ग ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और ना ही कोई सुरक्षा उपकरण कर्मचारियों को मुहैया कराए गए। इसके चलते करंट लगने से रवि चौहान नामक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक प्रवीण गर्ग पर लापरवाही बरतने के चलते गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

युवक पर चाकू से हमला

इंदौर। एक युवक पर बदमाशों ने मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। राजेंद्र नगर पुलिस के अनुसार अंकित नरवालेनिवासी लोहामंडी का विवाद बदमाश साईराम, कृष्णा और अंकित सांवरे से था। आरोपी चोइथराम शॉप की पार्किंग में उसे चाकू मारकर फरार हो गए। एक और मामले में थाने को अभिषेक चौहान निवासी तेजपुर गड़बड़ी ने बताया आरोपी विक्की तंवर निवासी तेजपुर गड़बड़ी से उसका विवाद है। कल चिल्ड वाटर के पास से गुजर रहा था, तभी आरोपी ने रोका और चाकू मार दिया। खजराना थाने को फरियादी राहुल अमरवाड़ा बताया महक वाटिका में शादी में गए थे। वहां डीजे पर मनपसंद गाना नहीं बजने पर आरोपी उदित करोसिया से उनका विवाद हो गया। आरोपी ने चाकू मार दिया।

महिला की संदिग्ध मौत

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र के सोमनाथ की नई चाल में मायके आई दो बच्चों की मां की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतका 30 वर्षीय राखी सिंगार है। उसे पति विकास गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचा था, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राखी की सास का कहना हैकि उसकी तबियत खराब होने के चलते वह पास ही स्थित मायके गई थी। वहां बाथरूम में गिरनेसे उसे चोटें आई और मौत हो गई। पुलिस ने शव का पीएम कराते हुए मर्ग कायम किया है।

चोर गिरोह ने कई वारदातें कबूली

इंदौर। पुलिस ने चोर गिरोह के सदस्यों को गिरफ्त में लिया है। आरोपियों ने पूछताछ में चोरी की कई वारदात कबूली हैं। इनके पास से चोरी की बाइक, कार और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए गए हैं। आरोपियों से पुलिस कड़ी पूछताछ कर अन्य वारदातों का पता लगा रही है।

एरोड्रम पुलिस ने बताया कि सुपर कॉरिडोर पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध लोगों को पकड़ा था। उनसे उनकी गाडियों के दस्तावेज मांगे तो उन्होंने नहीं दिए थाने लाकर उनसे पूछताछ की तो उन्होंने कई चोरियां कबूली। पकड़े गए बदमाशों के नाम मोहन, अनिल, मानसिंह है, जबकि उसका एक साथी करण फरार है। आरोपी बाग टांडा के रहने वाले हैं। शहर में आकर चोरी की वारदात करते और भाग जाते थे। आरोपियों ने एक वकील के घर सहित आधा दर्जन घरों को निशाना बनाया था उनसे और भी माल बरामदगी की कोशिशें की जा रही है।

महिला का मंगलसूत्र उड़ाया

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला का मंगलसूत्र लूट कर भाग निकले। पुलिस ने बताया कि रूपाली भालेराव निवासी विशाल ग्रीन श्री कृष्णा एवेन्यू ने पुलिस को बताया कि कल वह घर के पास ही टहल रही थी, तभी अज्ञात बदमाश बाइक से आए और मंगलसूत्र लूट कर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

ऑनलाइन फॉड-खाते से निकाले हजारों रुपए

इंदौर। राजेंद्र नगर पुलिस ने आनॅलाइन फ्रॉड के मामले में केस दर्ज किया है। दरअसल फरियादी युवक के क्रेडिट कार्ड से साइबर हैकर ने 93 हजार रुपए निकाल लिए। दरअसल फर्जी अफसर बनकर बदमाश ने फरियादी युवक से बात की। जिसके बाद ओटीपी मांगा। ओटीपी मिलते ही खाते से पैसा निकाल लिया। राजेंद्र नगर थाने में फरियादी विजेंद्र पिता शिव सिंह मंडलोई निवासी खरगोन की शिकायत पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उसने बताया कि पिछले दिनों वह रीजनल पार्क आया था। पार्विसग में था उसी दौरान उसके पास अज्ञात नंबर से फोन आया। सामने वाले ने खुद को बैंक का अफसर बताया। क्रेडिट कार्ड के बारे में बात की इसी दौरान फरियदी के पास एक ओटीपी आया। ओटीपी पूछा तो उसने बता दिया उसके बाद ही खाते से पैसे निकल गए।

समझौता करने के दौरान झगड़ा, जमकर मारपीट

इंदौर। समझौता करने के दौरान एक बार फिर से विवाद हो गया और नौबत मारपीट तक जा पहुंची। इस दौरान जमकर मारपीट हुई।

लसूडिया पुलिस ने बताया कि इस विवाद में भावसिह पिता देवरिया मेडा निवासी ग्राम गोपालपुरा थाना बागली जिला देवास , सुरेश पिता मानसिह निवासी गोपालपुरा थाना बागली जिला देवास और जितेन्द्र पिता गंगाराम निवसी ग्राम ढकाचिया घायल हो गए। मामले में

कुंवर सिह निवासी ओमेक्स सिटी कांकड और अजय सिह निवासी ओमेक्स सिटी 01 कांकड पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि समझोता कराने के दौरान फरियादी के भांजे का ससुर कुंवर सिह व उसका लडका अजय व अन्य साथी ने गालिया देने लगे जब मैने व मेरे साथियो ने गाली देने से मना किया तो कुंवर सिह उसके लडके अजय व उनके साथी ने हम लोगो के साथ मारपीट किया व अपने घर से डंडे निकाल कर लाये व हम लोगो के साथ मारपीट करना शुरु कर दिया जब हम लोगो ने चिल्ला चोट किया तो कुंवर सिह ने मुझे सिर मे डंडा मारा मेरे साथी भाव सिह को पेर मे घुटने पर चोट लगी व जितेन्द्र को सिर मे चोट लगी है । व मेरे साथ मे आये मेरे अन्य साथियो हरि सिह पिता भुवान मावडा ,शंकर ,सुरज ,को भी चोट लगी है।

अष्टांग आयुर्वेद मे अश्विनौ यज्ञ एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

शासकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं हॉस्पिटल लोकमान्य नगर के 50 वर्ष पूरे होने पर कॉलेज में यज्ञ का एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इसी उपलक्ष में 17-18 दिसंबर को कॉलेज में एक इंटरनेशनल सेमिनार एवं एलुमनाई मीट का आयोजन किया जा रहा है कॉलेज में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है । यज्ञ प्रकृति के निकट रहने का साधन है। रोग-नाशक औषधियों से किया यज्ञ रोग निवारण वातावरण को प्रदूषण से मुक्त करके स्वस्थ रहने में सहायक होता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी परीक्षण करके यज्ञ द्वारा वायु की शुद्धि होकर रोग निवारण की इस वैदिक मान्यता को स्वीकार किया है, प्राचीन समय से यज्ञ की परंपरा के द्वारा वातावरण को शुद्ध किया जाता है, हम देख रहे हैं कि हमें प्रकार की गंभीर बीमारियों एवं दुर्घटनाओं में समय पर रक्त नहीं मिलने से रोगियों को परेशानी से गुजरना पड़ता है इसलिए आज के दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया और इसी उद्देश्य को लेकर अस्पताल में भर्ती मरीजों को यज्ञ का लाभ मिल सके अस्पताल के वातावरण में ऑक्सीजन की वृद्धि हो सके एवं कीटाणुओं का नाश हो सके, इस उद्देश्य से अष्टांग आयुर्वेद हॉस्पिटल लोकमान्य नगर में सुबह 9:00 बजे से अश्विनौ यज्ञ का आयोजन किया गया है , प्राचार्य सतीश शर्मा ने बताया की इस कार्यक्रम में महाविद्यालय का डॉक्टर इंदौर शहर के गणमान्य व्यक्ति हॉस्पिटल में आए हुए मरीज उपस्थित रहे द्य जिसमें जुड़ने वाले सभी लोग अपने बुद्धि चेतनता में देवता की असीम कृपा प्राप्त की और अश्विनौ उपासना एवं अनुष्ठान का तादात्म्य प्राप्त किया ।शा.स्व.अष्टांग आयुर्वेद महाविधयालय इंदौर मध्यप्रदेश* में भी एसे दिव्य याग का आयोजन हुआ है।

राऊ से मांगलिया बायपास तक बनेगी सड़क

इंदौर। नगर निगम शहरी क्षेत्र के साथ ही बाहरी मार्गों के ट्रैफिक सुधार पर भी लगातार फोकस कर रहा है। इसी क्रम में राऊ से मांगलिया बायपास तक सड़क चौड़ीकरण का काम किया जाएगा। 5 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण के टैंडर हो चुके हैं। 68 करोड़ से प्रस्तावित सड़क का काम शुरू करने अगले सप्ताह वर्कआर्डर जारी होंगे। राऊ से मांगलिया बायपास तक कई होटल, ढाबे, कालेज और स्कूल संचालित होते हैं। भारवाहक वाहनों की सतत आवाजाही भी बनी रहती है। अलसुबह से देररात तक वाहनों के चलने से कई बार ट्रेफिक व्यवस्था प्रभावित होती है। बायपास पर कहीं संकरी तो कहीं चौड़ी सड़क है। एबी रोड के ट्रेफिक से बचने वाहन चालक बायपास का उपयोग कर गंतव्य जाते हैं। पिछले दिनों मार्ग चौड़ीकरण को लेकर निगम ने प्रस्ताव तैयार किया था। इसके बाद सर्वे किया गया। जनकार्य विभाग के इंजीनियर अशोक राठौर ने बताया कि आने वाले दिनों में इस मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ना है, इसलिए सड़क चौड़ीकरण को मंजूरी मिली है। ठेका इंदौर की ही एक कंपनी को दिया गया है। शहर का बाहरी मार्ग होने से यहां प्रवासी भारतीय सम्मेलन का फर्क नहीं पड़ेगा। शीघ्र ही वर्कआर्डर जारी किए जाएंगे। सड़क निर्माण की समयसीमा 18 माह रखी गई है। इसके बाद ठेका लेने वाली कंपनी पर अर्थदंड किया जाएगा।

भयंकर जुकाम में भी सोना है चैन की नींद? बंद नाक को खोलने के लिए ट्राई करें ये 5 देसी नुस्खे

बंद नाक की वजह से कई बार रातों में सोना मुश्किल हो जाता है। जिससे सुबह बेचैनी और इरिटेशन होने लगता है। ऐसे में घरेलू नुस्खे काफी हद तक आपको आराम पहुंचा सकते हैं। दिसंबर के महीने में ठंड अपने चरम पर होती है। ऐसे में सर्दी-जुकाम होना बहुत आम बात है। जुकाम होने पर बार-बार नाक बंद होने की समस्या होने लगती है। यह परेशानी रात में और भी भयंकर हो जाती है, जिससे कई बार नींद पूरी नहीं हो पाती है। सांस लेने और छोड़ने के लिए वास्तव में आपको मेहनत करनी पड़ती है। हालांकि, बहुत से लोग इससे छुटकारा पाने के लिए दवा लेते हैं। लेकिन आप इन्हें इन 5 आसान से देसी नुस्खों की मदद से भी ठीक कर सकते हैं।

अदरक की चाय

अदरक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो बंद नाक को खोलने का काम करता है। ऐसे में जुकाम होने पर अदरक का एक टुकड़ा चुसने से आपको राहत मिल सकता है। इसके अलावा दिन में 2-3 बार अदरक की चाय पीने से भी बंद नाक से छुटकारा पाया जा सकता है।

शहद पानी पिएं

शहद विटामिन और खनिजों जैसे शक्तिशाली पोषक तत्वों का एक समृद्ध स्रोत है। इसमें जीवाणुरोधी गुण भी होता है जो विभिन्न जीवाणु संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है। शहद बंद नाक, गले की जलन और बलगम के राहत दिलाने में प्रभावी ढंग से कार्य करता है। ऐसे में एक कप गुनगुने पानी के साथ दो बड़े चम्मच शहद आपके बंद नाक को साफ कर सकता है।

प्याज को सूंघे

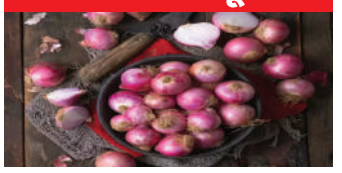

प्याज एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और ओमेगा- 3 जैसे औषधीय गुण और पोषक तत्व होता है, जो श्वसन तंत्र संबंधित परेशानियों से राहत पहुंचाने का काम करते हैं। ऐसे में प्याज को खाना या सूंघने भर से बंद नाक से आराम मिल सकता है। लगभग पांच से छह मिनट के लिए ताजा कटे हुए प्याज को सूंघना आपके लिए फायदेमंद साबित होता है।

भाप लें

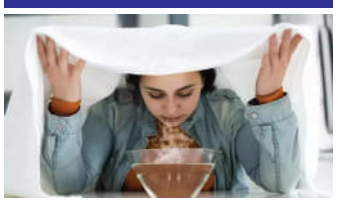

भाप लेना बंद नाक से राहत पाने का पुराना तरीका है। माना जाता है कि गर्म, नम हवा बलगम को ढीला करती है और सर्दी-जुकाम के लक्षणों से राहत देती है। ऐसे में एंटीसेप्टिक हर्ब जैसे पुदीना के बीज डालकर दिन में 2-3 बार भाप लेने से आपको कुछ ही दिनों में बंद नाक से राहत का अनुभव होने लगेगा।

ऊंचे तकिए पर सोएं

रात में बंद नाक और बदतर हो जाती है। क्योंकि सीधे सोने की वजह से बलगम बलगम सिर में जमा हो जाता है, जिससे सांस लेने में दिक्कत का अनुभव होने लगता है। इससे संभावित रूप से सुबह साइनस सिरदर्द हो सकता है। ऐसे में ऊंचे तकिए पर सोना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

भागदौड़ भरी जिंदगी में भी बन सकते हैं योगी,बस इस चीज का ईश्वर का करें धन्यवाद

एक अच्छा योग अभ्यासी होने के लिए शरीर का लचीलापन प्रमुख मापदंड है। लेकिन एक वास्तविक योग अभ्यासी वह होता है जिसकी प्राथमिक एकाग्रता उच्च वास्तविकता पर होती है। केवल शारीरिक लचीलापन ही आपकी योग यात्रा को निर्धारित नहीं करता है, आपके विचार भी एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। हम उच्च वास्तविकता पर अपना ध्यान कैसे केंद्रित कर सकते हैं?

भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, जो लोग मुझ पर अपना मन लगाते हैं और हमेशा मेरी भक्ति में दृढ़ विश्वास के साथ व्यस्त रहते हैं, मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ योगी मानता हूं। भगवान कृष्ण कहते हैं, प्रत्येक भक्त जो हर समय पूरी तरह से भगवान पर केंद्रित है और भगवान की पूजा करते समय विचलित नहीं होता है, वह अटल विश्वास वाला सच्चा योगी है।एक अच्छा योग अभ्यासी होने के लिए शरीर का लचीलापन प्रमुख मापदंड है। लेकिन एक वास्तविक योग अभ्यासी वह होता है जिसकी प्राथमिक एकाग्रता उच्च वास्तविकता पर होती है। केवल शारीरिक लचीलापन ही आपकी योग यात्रा को निर्धारित नहीं करता है, आपके विचार भी एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। योगी केवल वह नहीं है जिसने संसार को त्याग दिया हो, बल्कि वे सामान्य लोग हैं जो उच्च वास्तविकता को अपने दैनिक अस्तित्व के मूल में रखते हैं। आज की दुनिया में, हम उच्च वास्तविकता पर अपना ध्यान कैसे केंद्रित कर सकते हैं?

एक ऋषि थे जिनकी शादी हो चुकी थी और उनके दो बच्चे भी थे। वह बहुत ही शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और एक सभ्य जीवन जीते थे। उन्होंने एक दिन अपनी पत्नी से कहा, 'मैं ब्रह्मचारी हैं।' उनकी पत्नी तुरंत बोलीं, 'जब आप विवाहित हैं और आपके दो बच्चे हैं, तो ब्रह्मचारी कैसे हो सकते हैं?' ऋषि ने कोई जबाव नहीं दिया और उसी समय वह बाहर चले गए। कुछ देर बाद एक बड़ी तलवार लेकर गुस्से से भरे घर लौटे और अपनी पत्नी पर चिल्लाए, 'दो मिनट में आपको थाली में रखी पूरी पूरणपोली खत्म करनी है।' पत्नी घबरा गई। वह फिर चिल्लाए- या पूरणपोरी खत्म करो या मैं इस तलवार से तुम्हारे टुकड़े कर दूंगा।' पत्नी जल्दी-जल्दी पूरणपोली खाने लगी। वह किसी तरह चारों पूरणपोली खत्म करने में सफल रही।

ऋषि ने पूछा, 'पूरणपोली का स्वाद कैसा था?' पत्नी ने जवाब दिया, 'मेरा पूरा ध्यान तो समय पर लगा हुआ था, स्वाद पर मैंने ध्यान ही नहीं दिया।' ऋषि ने जवाब दिया, 'मैं भी अपने सभी सांसारिक कार्यों को उसी तरह निष्पादित करता हूं, मैं दुनियादारी से जुड़ा नहीं हूं क्योंकि मेरी एकाग्रता हर समय भगवान पर टिकी हुई है।' अपने मन को भगवान पर केंद्रित करने के लिए हमें एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज को सीखना और अभ्यास करना चाहिए। वह है हर समय आभारी रवैया रखना। यह भगवान से जुड़े रहने का सबसे अच्छा तरीका है। भगवान को उनके आशीर्वाद के लिए और अपने जीवन के लिए धन्यवाद करें। उन सभी चीजों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें जिन्हें आप हल्के में लेते हैंङ्क सोने के लिए जगह, परवाह करने वाला परिवार, मार्गदर्शन करने के लिए दोस्त, बिल भरने के लिए पैसे, खाने के लिए भोजन और भी बहुत कुछ। विपत्ति के बीच भी भगवान का शुक्र है। क्योंकि भले ही हमें इसका एहसास ना हो, भगवान के पास हमारे लिए बड़ी योजनाएं हैं। इसलिए प्रत्येक समस्या को एक आशीर्वाद के रूप में देखें और इसे दूर करने में आपकी मदद करने के लिए भगवान को धन्यवाद दें।

WWW.1BIGA.COM
NOW A PIECE OF LAND IS YOUR OWN

मात्र
₹200/- प्रति Sqft

अब खरीदें
बहुत ही कम कीमतों
पर अपने सपनों का
फार्म हाउस

FEATURES
- Covered RCC boundary wall with entrance gate.
- 24/7 water supply.
- 24/7 security (gunman).
- 24/7 electricity supply.
- 100 different types of fruit plants.

इंदौर–इच्छापुर नेशनल हाइवे
से 400 मी. की दूरी पर
More information call us
8889066688
6268319125
www.1biga.com

ACHIRA GREENS
A Smart Township

स्वतंत्र बंगलो

BOOK NOW
STARTING PRICE
सिल्वर 9.99/- लाख
गोल्ड 19.51/- लाख

Plot Size
20×30

इच्छापुर
नेशनल हाईवे के समीप
IIT COLLEGE के नजदीक

तुरन्त रजिस्ट्री, तुरन्त पजेशन
बैंक लोन सुविधा उपलब्ध

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा है बेहद खूबसूरत, शेयर की वीडियो तो लोग बताने लगे इस एक्ट्रेस की कॉपी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपनी बेटी शोरा सिद्दीकी को उनके जन्मदिन पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से बधाई दी है. उन्होंने अपनी बेटी के बचपन के दिनों की खूबसूरत तस्वीरों वाला एक वीडियो शेयर किया है.

नई दिल्ली – नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपनी बेटी शोरा सिद्दीकी को उनके जन्मदिन पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से बधाई दी है. उन्होंने अपनी बेटी के बचपन के दिनों की खूबसूरत तस्वीरों वाला एक वीडियो शेयर किया है. साथ ही उन्होंने एक इमोशनल नोट भी लिखा है, उन्होंने अपनी और अपनी बेटी की साथ में कुछ तस्वीरें शेयर कर के लिखा है,**डैडीज गर्ल.** क्लिप में नवाजुद्दीन ने अपनी बेटी शोरा की झलकियां शेयर की. वीडियो में उनकी बेटी अपने हाथों से एक्सप्रेशन देती दिख रही हैं. वीडियो में उनकी बेटी ने व्हाइट हुडी पहनी है. वीडियो के बाद के आधे हिस्से में नवाजुद्दीन ने अपनी बेटी को गोद में और कंधे पर लिया है. दोनों ने कैंडिड पोज दिया है.

नवाज ने उन्होंने हवाई जहाज में पटाखे फोड़ते हुए और अपने केक के साथ शोरा की कई सिंगल फोटो शेयर की है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नवाजुद्दीन ने लिखा, हैप्पी बर्थडे माय लव सशोरा सिद्दीकी. इसके साथ उन्होंने दो लाल दिल और स्टार इमोजी भी शेयर की है. उनकी बेटी के वीडियो पर एक फैन ने लिखा है, डैडिज गर्ल. अपने डैडी की प्यारी बच्ची. जन्मदिन की शुभकामनाएं. एक अन्य फैन ने लिखा, हर कोई जानता है कि उन्होंने अपने जीवन में जीरो से हीरो बनने के लिए कितना संघर्ष किया. एक अन्य ने लिखा, ये तो राधिका आप्टे की तरह लगती है. जन्मदिन मुबारक हो छोटी राजकुमारी. नवाजुद्दीन ने 2009 में आलिया सिद्दीकी से शादी की. 2011 में उनकी बेटी शोरा हुई. वे अपने बेटे यानी के माता-पिता भी हैं. नवाजुद्दीन अगली बार **हड्डी** में नजर आएंगे. फिल्म अक्षत अजय शर्मा द्वारा निर्देशित है, और उनके और अदम्य भल्ला द्वारा सह-लिखित है. फिल्म को अगले साल रिलीज करने की योजना है. नवाजुद्दीन को आखिरी बार टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया-स्टारर **हीरोपंती 2** में देखा गया था. उनके पास पाइपलाइन में **टीकू वेड्स शेरू** और **बोले चूड़ियां** भी है।

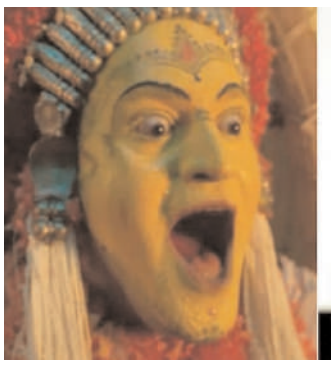

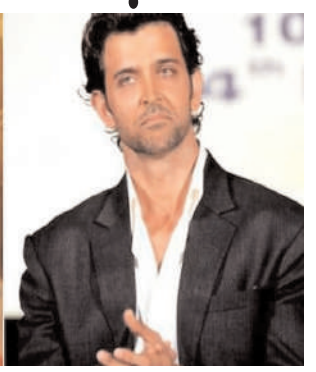

ऋतिक रोशन ने कांतारा देखने के बाद की जमकर तारीफ, बोले क्लाइमेक्स देखकर रोंगटे खड़े हो गए

रिषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा ने सभी को खूब इम्प्रेस किया है. कांतारा उन फिल्मों में से एक है जिनका जादू इस साल लोगों के सर चढ़कर बोला. बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन इस फिल्म तक थोड़ी देर से पहुंचे हैं. लेकिन फिल्म देखने के बाद उन्होंने जमकर इसकी तारीफ की और कहा कि उन्होंने इससे काफी कुछ सीखा.

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में बनी कांतारा देखने के बाद हर कोई इसका फैन हो गया. कर्नाटक के रीजनल कल्चर पर बनी इस फिल्म ने पूरे इंडिया को खूब इम्प्रेस किया और थिएटर्स में शानदार बिजनेस भी किया. थिएटर्स में फिल्म देखने वाली आम जनता ही नहीं, अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्रीज के लोग भी रिषभ शेट्टी की इस फिल्म के प्यार में दिखे और बॉलीवुड के भी कई दिग्गजों ने इसकी तारीफ की.

सुपर ओवर में भारत ने हासिल की रोमांचक जीत, रच दिया इतिहास

दूसरे टी 20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 187 रन ठोके। जवाब में भारतीय टीम ने भी 20 ओवर में 187 रन कूट डाले।

नई दिल्लीः भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी 20 मुकाबले में रोमांच का वो नजारा देखा गया, जो महिला क्रिकेट में शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो। दूसरे टी 20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 187 रन ठोके। जवाब में भारतीय टीम ने भी 20 ओवर में 187 रन कूट डाले।

सुपर ओवर में भारत ने बनाए 20 रन

दोनों टीमों के बीच बराबरी पर रहे मुकाबले में सुपर ओवर डाला गया, जिसमें टीम इंडिया की ओर से स्मृति मंधाना ने 3 बॉल में 13 रन कूट डाले। उन्होंने एक चौका और एक छक्का जड़ा। वहीं रिचा घोष ने दो गेंदों में 6 रन बनाए। उन्होंने एक छक्का लगाया। जबकि हरमनप्रीत कौर ने एक रन बनाया। भारत ने सुपर ओवर में 20 रन बनाए।

टीम इंडिया ने सुपर ओवर में रचा इतिहास

जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 16 रन ही बना सकी। इस तरह भारत ने रोमांचक मुकाबले में 4 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। भारत ने महिला क्रिकेट में न केवल अपना पहला सुपर ओवर खेला, बल्कि सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड भी बनाया। महिला क्रिकेट के सुपर ओवर में भारत ने 20 रन का सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया। भारत ने सुपर ओवर में विश्व की सबसे ताकतवर टीम को भी शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया के नाम भी एक रिकॉर्ड दर्ज हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 में अपना पहला टी 20 मैच हारा है।

स्मृति मंधाना ने 49 गेंदों में ठोके 79 रन

पूरे मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेथ मूनी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 82 रन ठोके। वहीं ताहिला मैक्ग्रा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी का नजारा दिखाया और 51 गेंदों में 70 रन जड़ दिए। एलिसा हीली ने 15 गेंदों में 25 रन बनाए। वहीं भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने 49 गेंदों में 9 चौके-4 छक्के ठोक 79 रन कूट डाले। शेफाली वर्मा ने 34, हरमनप्रीत कौर ने 21 और रिचा घोष ने 13 गेंदों में 26 रन बनाए। देविका वैद्य ने 5 गेंदों में 11 रन बनाकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सुपर ओवर डाला गया, जिसमें रेनुका सिंह ने एक विकेट चटाककर 16 रन दिए। इस तरह भारत ने इस रोमांचक मुकाबले में 4 रन से जीत दर्ज कर 5 मैचों की सीरीज को एक-एक से बराबर कर लिया।

Jaydev

बांग्लादेश सीरीज के लिए टीम इंडिया से जुड़े ये चार प्लेयर्स, एक की 12 साल बाद हुई वापसी

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव हुए हैं. कप्तान रोहित शर्मा चोट के चलते पहले मुकाबले से बाहर हो गए हैं. वहीं रवींद्र जडेजा और मोहम्मद शमी दोनों मैचों में ही नहीं खेल पाएंगे. जयदेव उनादकट समेत चार खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल किया गया है.

बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. कप्तान रोहित शर्मा बाएं अंगूठे में चोट के चलते पहले मुकाबले से बाहर हो गए हैं. रोहित की अनुपस्थिति में केएल राहुल को पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करने का मौका मिला है. वहीं मोहम्मद शमी, रवींद्र जडेजा दोनों मुकाबलों में भाग नहीं ले पाएंगे. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है.

श्रेय मिले न मिले, अपना श्रेष्ठतम देना बंद न करें - मुख्यमंत्री श्री चौहान

लोगों की प्रगति और पहल से ही प्रदेश आगे बढ़ेगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश-2022 कार्यक्रम में हुए शामिल

41 प्रतिभागी हुए सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि श्रेय मिले न मिले अपना श्रेष्ठम देना बंद न करें। व्यक्ति अपने निरंतर प्रयास से सब कुछ प्राप्त कर सकता है। श्रीमद भगवतगीता और स्वामी विवेकानन्द मेरे लिए प्रेरणा के मुख्य स्रोत रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द के विचार व्यक्ति ईश्वर का अंश और अमर शक्तियों का भण्डार है। हमें उमंग और उत्साह से भरते हैं। श्रीमद भगवतगीता का निष्काम कर्म का संदेश हमें निराशा से बचाता है। इसमें सात्विक कार्यकर्ता के गुणों का उल्लेख भी है। इसके अनुसार हम राग-द्वेष से मुक्त, अहंकार शून्य, धैर्यशील और उत्साह से परिपूर्ण रहते हुए निरंतर कर्मशील रहने से स्वयं, समाज और देश के लिए उपलब्धियाँ अर्जित कर सकते हैं। समाज और देश के लिए बेहतर करने वालों का सम्मान आवश्यक है। इससे उन्हें प्रोत्साहन और सामाजिक स्वीकृति प्राप्त होती है। साथ ही अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एक मीडिया समूह के प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश-2022 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में समाज-सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, लघु उद्योग, अधो-संरचना विकास आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रदेश के 41 प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मीडिया समूह के श्री पवन अग्रवाल, श्री संजय जोशी, श्री सुमित मोदी, सुश्री उपमिता वाजपेयी तथा श्री विपुल गुप्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सम्मानित प्रतिभागियों से कहा कि आपका योगदान प्रदेशवासियों और राज्य की प्रगति एवं विकास में सहायक है। आपके द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ प्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। गाँव, कस्बों और छोटे शहरों से संबंध रखने वाले आप जैसे लोगों के आगे बढ़ने से ही प्रदेश आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सम्मानित व्यक्तियों को और अधिक प्रगति एवं सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अब तक की उपलब्धियों को हम एक पड़ाव मनाते हुए आगे की योजना बनाएँ, लक्ष्य तय करें और लगातार अपने कर्म के प्रति समर्पित रहे। हमारा प्रयास रहे कि हमें अपने कर्म से संतोष हो और समाज में हमारी सकारात्मक छवि बनी रहे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व में अपनी विशेष छवि बनाई है। आज दुनिया की कोई ताकत भारत को अनदेखा नहीं कर सकती। भारत को जी-20 की अध्यक्षता करने का अद्भुत अवसर मिला है। इस सम्मेलन की कुछ बैठकें मध्यप्रदेश में भी होंगी। प्रदेश में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भी जनवरी -2023 में होने जा रहा है। प्रदेश

के लिए वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ने और भविष्य का पथ निर्धारित करने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। राज्य सरकार इन अवसरों का श्रेष्ठतम उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में सागर, उज्जैन, छतरपुर, खण्डवा, महू, नर्मदापुरम, खरगोन, मंदसौर, विदिशा, बुरहानपुर, ग्वालियर, रतलाम, झाबुआ और जावरा के प्रतिभागियों को अवार्ड से सम्मानित किया।

जनजातियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री द्वारा वनवासी कल्याण परिषद भोपाल के शैक्षणिक एवं बहुउद्देशीय कौशल विकास केन्द्र भवन का लोकार्पण

देश की संस्कृति के विकास में जनजातीय समुदाय का अमूल्य योगदान- श्री दत्तात्रेय होसबाले

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वनवासी कल्याण परिषद और आश्रम जनजातियों के लिए अदभुत कार्य कर रहा है। जनजातीय समाज हमारा अभिन्न अंग है। यह अदभुत समाज है। मुख्यमंत्री श्री चौहान वनवासी कल्याण परिषद, भोपाल के एम पी नगर स्थित शैक्षणिक एवं बहुउद्देशीय कौशल विकास केंद्र के भवन का लोकार्पण कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने परिसर में टंट्या मामा की मूर्ति का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनजातियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश में सामाजिक समरसता के साथ पेसा एक्ट लागू कर दिया गया है। हमारे सभी जनजातीय नायकों की प्रतिमाएँ लगाई जा रही हैं। हाल ही में इंदौर भंवरकुआं में टंट्या मामा की प्रतिमा स्थापित की गई है। धर्मांतरण को लेकर प्रदेश की धरती पर षडयंत्र नहीं चलने दिया जाएगा। जनजातीय वर्ग की जमीन षडयंत्रपूर्वक हड़पने नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट लागू कर जनजातीय समाज को अधिकार सम्पन्न बनाया जा रहा है। जमीन के साथ जंगल की उपज के लिए अधिकार दिया गया है। मजदूरी के लिए कोई बाहर ले जाएगा तो ग्राम सभा को सूचना देनी होगी। ग्राम सभा को इसी तरह के अनेक अधिकार दिए गए हैं। पेसा एक्ट को लागू करने के लिए वनवासी कल्याण परिषद और आश्रम का सहयोग चाहिए। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण किया जा रहा है। इंडियन ऑयल द्वारा दी गई मदद का पूरा सदुपयोग होगा। सरकार और समाज मिल कर साथ काम करेंगे तो बेहतर सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वनवासी कल्याण परिषद और आश्रम का आभार प्रकट किया।

सर कार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश की संस्कृति के विकास में जनजातीय समुदाय का अमूल्य योगदान है। वनवासी परिषद द्वारा जनजातीय समाज के लिए अत्यंत उपयोगी कौशल विकास केन्द्र का भवन लोकार्पित हो रहा है, जो जनजातियों के उत्थान में उपयोगी होगा। भारत के इतिहास में जनजातीय समाज का हर क्षेत्र में योगदान किसी अन्य समाज से कम नहीं रहा है। वनवासियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। कृषि, तांत्रिक ज्ञान, स्वास्थ्य आदि का ज्ञान जनजातियों में भरपूर है। विभिन्न क्षेत्रों में जनजातीय वर्ग के कार्यों की प्रदर्शनी भी लगाई जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जनजातीय भाई-बहनों के लिए खड़े रहे और उनको हर प्रकार की मदद देने के लिए तैयार रहे। उनकी कला लोक कला और परम्परा को सुरक्षित रखने और विकास के लिए कोशिश करें जिससे उन्हें आत्म-विश्वास से समाज के साथ जुड़ने में मदद मिले। हमें सभी समाजों को साथ लेकर आगे बढ़ना है।

वनवासी कल्याण आश्रम के महामंत्री श्री योगेश बापट ने कहा कि जनजातीय समाज को आगे बढ़ाने के लिए भवन का लोकार्पण हो रहा है। वनवासी कल्याण परिषद 70 वर्षों से कार्य कर रही है। जनजातीय नायकों का स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान रहा है जिसको सामने लाने का कार्य जनजातीय कल्याण परिषद कर रही है। जनजातियों के शैक्षणिक और कौशल विकास का कार्य पूरे देश में चल रहा है। इसके लिए प्रेरणादायी गतिविधियाँ जारी है। महाप्रबंधक इंडियन ऑयल श्री शशि चौधरी ने कहा कि कम्पनी सीएसआर फंड से मध्यप्रदेश में कई कार्य कर रही है। इसी कड़ी में इस शैक्षणिक एवं बहुउद्देशीय कौशल विकास केन्द्र के लिए मदद की गई है। अध्यक्ष राष्ट्रीय जनजातीय आयोग श्री हर्ष चौहान ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम देश में ही नहीं दुनिया में अनूठा है। यह जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहा है। कल्याण आश्रम समाज में भ्रम दूर करने का माध्यम है। आयोग के माध्यम से विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यक्रम किए गए हैं। छात्र जनजातीय विषयों पर शोध के लिए प्रेरित हुए हैं। प्रदर्शनियों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं। केंद्र में आवश्यकता के अनुरूप स्व-रोजगार और कौशल का प्रशिक्षण भी मिलेगा।

जिले से 60 युवाओं का मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना के तहत होगा चयन

ग्वालियर । प्रदेश सरकार द्वारा युवाओ के विकास के उद्देश्य सेमुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत ग्वालियर जिले से 60 युवाओं का चयन किया जाएगा। चयनित उम्मीदवारों को मध्य प्रदेश सरकार हर माह 8000 रूपये का स्टायपेंड देगी।

मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना के तहत राज्य के युवाओं को अपना कौशल बढ़ाने, प्रोफेशनल वातावरण में कार्य करने और मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र के रूप में प्रदेश के विकास में योगदान देने का अवसर मुहैया कराया जाएगा। छः महीने की इंटर्नशिप के लिए 21 दिसंबर तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से और वेबसाइट https://services.mp.gov.in/eservice/ पर आवेदन किए जा सकते हैं। पिछले 2 वर्षों में किसी भी विषय में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से स्नातक या स्नातकोत्तर उत्तीर्ण 19 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के युवा आवेदन के लिए पात्र होंगे।

योजना के तहत प्रदेश के हर विकास खण्ड से 15 युवाओं का चयन किया जाना है। इस प्रकार प्रदेश भर से कुल 4 हज़ार 695 युवाओं का चयन किया जायेगा, जिसमें से 60 इंटर्न ग्वालियर जिले के होंगे।

अधिक जानकारी के लिए रिसर्च एसोसिएट सुश्री प्रियंका ठाकुर (मोबा.7838152001) से संपर्क किया जा सकता है।

संभागायुक्त ने नगरीय निकाय और पंचायतों के कामकाज में तेजी लाने के दिए निर्देश

संभागायुक्त श्री मालसिंह भयड़िया ने रविवार को संभाग भर के नगरीय निकायों और पंचायत निकायों के अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में निर्देश दिए है कि हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ नागरिकों को सुनिश्चित करते हुए विकास और निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करें। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री सुदर्शन सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय निकाय समय पर कार्य पूर्ण करे

कमिश्नर ने पहली बैठक नगर परिषद और नगर पालिका अधिकारियों की ली और प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास, शहरी पेयजल सहित स्वच्छता अभियान के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने लक्ष्य अनुसार प्रगति की जानकारी ली और कम प्रगति वाले निकायों के अधिकारियों को सचेत किया कि वे काम में तेजी लाएं और निर्धारित समय अवधि में काम पूरा करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने राजस्व वसूली कार्य की समीक्षा भी की। उन्होंने अपेक्षाकृत कम राजस्व वसूल करने वाले निकायों को तत्काल अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

ग्रामीण विकास में नवाचार करें सीईओ - श्री भयड़िया

संभाग के जिला और जनपद पंचायत के सी ई ओ की बैठक में भी संभागायुक्त श्री भयड़िया ने लगभग 3 घंटे विस्तार से ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा की।

सहज योग के द्वारा स्वयं को पहचानो! अपने जीवन में अपनाएं

लोग अपने संस्कृति और सभ्यता को भूल गए. पश्चिमी की आंधी में ऐसे उड़ गए कि ना इधर के रहे और ना उधर के. कोरोना से लड़ने के लिए पीएम मोदी समेत आयुष मंत्रालय ने योग के विधि के बारे में बताया है. योग करने से इम्यून सिस्टम काफी मजबूत होता है. रोग को प्रवेश करने से रोकता है. अपने आप को पहचानना के लिए लॉकडाउन से अच्छा अवसर कोई और नहीं हो सकता है. समय है सहज योग के माध्यम से स्वयं को पहचानो. परमपूज्य श्री माता जी निर्मला देवी के द्वारा बताए गए तरीको से सहज योग करे और योग के माध्यम से स्वयं को जानो कि हम कौन हैं? कहां आए हैं? क्यों आए हैं? सारे प्रश्नों के जवाब मिल जाएंगे. सहज योग पूरी तरह से निशुल्क है.

सहज योग क्या है?

सहज योग का अर्थ है सह आपके साथ और ज जन्मा हुआ योग से तात्पर्य मिलन या जुड़ना अत: वह तरीका जिससे मनुष्य का सम्बन्ध (योग) परमात्मा से हो सकता है. सहज योग कहलाता है. मानव शरीर में जन्म से ही एक शुक्ष्म तन्त्र अद्रश्य रूप में हमारे अन्दर होता है, जिसे आध्यात्मिक भाषा में सात चक्र और इड़ा, पिंगला, शुशुम्ना नाड़ियों के नाम से जाना जाता है इसके साथ परमात्मा कि एक शक्ति कुण्डलिनी नाम से मानव शरीर में स्थित होती है. यह कुण्डलिनी शक्ति बच्चा जब मां के गर्भ में होता है और जब भ्रूण दो से ढाई महीने (60 से 75 दिन) का होता है तब यह शिशु के तालू भाग में प्रवेश करती है और मश्तिष्क में अपने प्रभाव को सक्रिय करते हुए रीढ़ कि हड्डी में मेरुरज्जु में होकर नीचे उतरती है, जिससे हृदय में धडकन शुरू हो जाती है.

आत्मसाक्षात्कार को सहजयोग से प्राप्त किया जा सकता है

इस तरह यह कार्य परमात्मा का एक जिवंत कार्य होता है जिसे डॉक्टर बच्चे में एनर्जी आना बोलते हैं इसके बाद यह शक्ति रीढ़ कि हड्डी के अंतिम छोर तिकोनी हड्डी में जाकर साढ़े तीन कुंडल (लपेटे) में जाकर स्थित हो जाती है इसीलिए इस शक्ति को कुण्डलिनी बोलते हैं यह शक्ति प्रत्येक मानव में सुप्तावस्था में होती है जो मनुष्य या अवतार इस शक्ति के जागरण का अधिकारी है वह यह कुण्डलिनी शक्ति जागृत करता है जिससे मानव को आत्मसाक्षात्कार मिलता है तब यह कुण्डलिनी शक्ति जागृत हो जाती है और सातों चक्रों से गुजरती हुई सहस्त्रार चक्र पर पहुँचती है तब मानव के सिर के तालू भाग में और हाथों कि हथेलियों में ठण्डी -ठण्डी हवा महसूस होती है जिसे हिन्दू धर्म में परम चैतन्य , इस्लाम में रूहानी,बाइबिल में कूल ब्रीज ऑफ़ द होलिघोस्ट कहा जाता है इस तरह सभी धर्म ग्रंथो में वर्णित आत्मसाक्षात्कार को सहजयोग से प्राप्त किया जा सकता है.

सहज योग करने से लाभ

सहज योग एक आसान पद्धति है जिसे सीख कर हर इन्सान हर जगह व हर कार्य व अपने जीवन में इससे अपने आप को अच्छा कर सकता है व दूसरो की बुराइओ को दूर कर सकता हैं. वह समाज को पतन की तरफ जाते हुए उसे ऊपर उठा सकता है. यह बहुत आसान प्रक्रिया हैं जिसे प्रयोग में लाकर स्वास्थ्य अच्छा रख सकते है व बच्चो की स्मरण शक्ति को बढ़ा सकते हैं, तथा बच्चो को बचपन में चश्मे चढ़े हुए को उतार सकते है, बुजुर्गो को परेशानियो से बचा सकते है. रेप,मर्डर, व स्त्रियो को अपमान से बचा सकते है.

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की अकादमी में बच्चे सीखेंगे क्रिकेट

इन्दौर। क्रिकेट अकादमी में दस बच्चों का पंजीयन, दिसंबर से नेट प्रैक्टिस शुरू। जनवरी में अकादमी का होगा औपचारिक उद्घाटन, अप्रैल से सुबह-शाम देंगे प्रशिक्षण। क्रिकेट सिखाने के लिए शहरभर में 80 से ज्यादा क्लब और अकादमी हैं।

इंदौर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को क्रिकेट सिखाने के लिए प्रदेश के एक मात्र ए प्लस ग्रेड प्राप्त देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने अपनी अकादमी की शुरू कर दी है। खंडवा रोड स्थित शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला को क्रिकेट अकादमी के संचालन की जिम्मेदारी मिली है। यह अकादमी खोलने वाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है, जहां 16 साल से कम उम्र के बच्चों को क्रिकेट की बारीकियां सिखाई जाएंगी। अधिकारियों के मुताबिक अकादमी का औपचारिक उद्घाटन जनवरी में किया जाएगा। फिलहाल दस बच्चे क्रिकेट खेलने आने लगे हैं। पहले बैच में 25 बच्चे शामिल किए जाएंगे।

अध्ययनशाला की तरफ से अप्रैल 2022 में क्रिकेट अकादमी शुरू करने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय को भेजा गया। तीन महीने मंथन करने के बाद अधिकारियों ने प्रस्ताव को जुलाई की कार्यपरिषद की बैठक में रखा। सदस्यों ने अकादमी शुरू करने पर सहमति दी। अधिकारियों के मुताबिक कर्मचारियों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए 500 रुपये महीना फीस रखी है। सामान्य वर्ग के बच्चों के लिए फीस 1000 रुपये रहेगी। विश्वविद्यालय ने बच्चों के लिए अधिकांश खेल संसाधन जुटाए हैं, ताकि ये नन्हे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

विभागाध्यक्ष होंगे कोच

विभागाध्यक्ष डा. दीपक मेहता को मास्टर कोच बनाया है। डा. मेहता खुद क्रिकेटर रह चुके हैं। वे जीवाजी विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम के कैप्टन थे। वे विश्वविद्यालयों की संयुक्त टीम का हिस्सा भी रहे। सीके नायडू क्रिकेट ट्राफी में प्रदेश की अंडर 19 टीम में रहे। वे बताते हैं कि बच्चों को मास्टर इन फिजिकल एजुकेशन (एमपीएड) के फाइनल ईयर के विद्यार्थियों की निगरानी में क्रिकेट सिखाया जाएगा। संदीप कोटिया और प्रकाश कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी है। इन दोनों विद्यार्थियों ने क्रिकेट में स्पेशलाइजेशन विषय चुना है।

आयकर विभाग ने इंदौर में रियल स्टेट व्यवसाय से जुड़े कई समूहों पर कार्रवाई

आयकर विभाग ने पिछले दिनों भी शहर में कई बड़े समूहों पर कार्रवाई की थी। इसके अलावा विभाग ने शहर के बड़े फर्नीचर व्यवसायी महीदपुरवाला के इंदौर और भोपाल के संस्थानों पर भी कार्रवाई की थी।

इंदौर, । आयकर विभाग ने इंदौर में रियल स्टेट व्यवसाय से जुड़े कई समूहों पर मंगलवार सुबह कार्रवाई की। आयकर विभाग की टीम ने सुबह सबसे पहले रियल स्टेट स्कायअर्थ ग्रुप पर कार्रवाई की। टीम की स्कायअर्थ ग्रुप के एबी रोड स्थित सत्यसाईं चौराहे पर स्थित ग्रुप के मुख्य कार्यालय पर यह कार्रवाई जारी है। इस समूह में स्काय लक्जरिया, स्काय पैलेस जैसे प्रमुख बिल्डिंग हैं। आयकर विभाग की टीम ने इसके अलावा ग्रुप के निदेशकों सागर चावला, निम्मी चावला, गोविंद चावला और नीरज सचदेव के यहां भी कार्रवाई की। उनके घर के अलावा आफिस पर भी यह कार्रवाई जारी है।

स्कायअर्थ समूह के इंदौर में 10 से 12 ठिकानें हैं, जिनपर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अन्य रियल स्टेट समूहों पर आयकर विभाग की कार्रवाई की जा रही है। जिन समूहों के यहां सर्वे हो रहा है, उनके कई प्रोजेक्ट शहर में चल रहे हैं। सुबह जैसे ही आयकर विभाग की कार्रवाई की खबर लगी, तो सभी कारोबारियों में हड़कंप मच गया।आयकर विभाग और ईडी ने पिछले दिनों भी शहर में कई बड़े समूहों पर कार्रवाई की थी, जिनमें शहर के बिल्डर टीनू संघवी और लाभम ग्रुप के प्रमुख सुमित मंत्री शामिल थे। इसके अलावा विभाग ने शहर के बड़े फर्नीचर व्यवसायी महीदपुरवाला के इंदौर और भोपाल के संस्थानों पर भी कार्रवाई की

इंदौर में तीन दिनी लिट-चौक 16 दिसंबर से, देश की जानी-मानी हस्तियां करेंगी शिरकत

देश का प्रतिष्ठित बैंड कनिष्क सेठ ट्रियो प्रस्तुति देगा। यह फेस्ट सभी के लिए निश्शुल्क है। 16 दिसंबर को चर्चित बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा, मनोज पाहवा, मकरंद देशपांडे, सीमा पाहवा, फैजल मलिक और स्पिरिचुअल गुरु आचार्य पुण्डरीक गोस्वामी संबोधित करेंगे।

इंदौर । देश का पहला सोशियो-कल्चरल फेस्ट लिट-चौक 16 दिसंबर से गांधी हॉल परिसर में शुरू हो रहा है। 18 दिसंबर तक चलने वाले इस लिट चौक के सीजन-2 में देश की जानी-मानी हस्तियां शिरकत करेंगी। इसमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी, संजय मिश्रा, अभिनेता-गीतकार स्वानंद किरकिरे और मुकेश तिवारी शामिल होंगे। देश का प्रतिष्ठित बैंड कनिष्क सेठ ट्रियो प्रस्तुति देगा। यह फेस्ट सभी के लिए निश्शुल्क है। 16 दिसंबर को चर्चित बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा, मनोज पाहवा, मकरंद देशपांडे, सीमा पाहवा, फैजल मलिक और स्पिरिचुअल गुरु आचार्य पुण्डरीक गोस्वामी संबोधित करेंगे। ये विभिन्न विषयों पर बोलेंगे।

17 दिसंबर को अभिनेता मुकेश तिवारी, एमबीए चायवाला के फाउंडर प्रफुल्ल बिल्लौरे, सांसद और अभिनेता मनोज तिवारी, ख्यात बॉलीवुड गीतकार राजशेखर और सांसद मनोज कुमार झा, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी और इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव अपनी बात रखेंगे। 18 दिसंबर का आकर्षण होंगे लोकप्रिय अभिनेता पंकज त्रिपाठी। मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा, चर्चित अभिनेता संजय मिश्रा, गायक अभय जोधपुरकर, प्रिंस ऑफ मेवाड़, लक्षराज सिंह मेवाड़ विभिन्न विषयों पर संबोधित करेंगे। इसके बाद लोकप्रिय अभिनेता पंकज त्रिपाठी दर्शकों से रूबरू होंगे। समापन कनिष्क सेठ ट्रियो बैंड की संगीतमय प्रस्तुति होगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)